11 इन्ट्रोडक्शन टू अर्धमागधी – डा. घाटगे

12 प्राकृत भाषाओं का व्याकरण, तृतीय खण्ड – डा. पिशेल

13 अपभ्रंश भाषा और साहित्य – डॉ. देवेन्द्र कुमार जैन

14 मूलाचार का समीक्षात्मक अध्ययन– डॉ. फूलचन्द प्रेमी

15 रइधू साहित्य का आलोचनात्मक परिशीलन – डा. राजाराम जैन

प्रष्नपत्र चतुर्थ : शौरसेनी एवं महाराष्ट्री

100 अंक

(क) शौरसेनी

इकाई एक – 20 अंक

प्रवचनसार (ज्ञानाधिकार) – आचार्य कुन्दकुन्द गाथा 1–92 अनुवाद एवं समीक्षा

इकाई दो – 20 अंक

व्याख्या एवं समीक्षा

1– द्रव्यसंग्रह (नेमिचन्द्राचार्य)–10 अंक

2– भगवतीआराधना–षिवार्य, 1354–1433 गाथाएँ–10 अंक

इकाई तीन – 20 अंक

सर्वेक्षण एवं भाषा विवेचन

1– शौरसेनी आगम साहित्य का सवेक्षण–10 अंक

2– शौरसेनी प्राकृत भाषा का सोदाहरण विवेचन–10 अंक
(अभिनव प्राकृत व्याकरण अध्ययन 10 पृष्ठ 383–99 तक)

(ब) महाराष्ट्री

इकाई चार – 20 अंक

आख्यानकमणिकोष (आम्रदेवसूरिवृत्ति) तीसरा अधिकार 15वीं कथा रोहिण्याख्यानकम्